BA Part - II
History Notes

By - Dr. Durga Bhawani

B A Part II History (Hons) IVth Paper.

Q. वियना कॉंग्रेस के कार्यों पर एक लेख लिखें।

Ans!— नेपोलियन के पतन के बाद यूरोप में कुछ ऐसी समस्याएँ एवं परिस्थितियाँ उत्पन्न हो गयी थीं जिनको सुलझाने के लिए ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना में 1815 ई० में यूरोपीय राष्ट्रों का एक महत्वपूर्ण सम्मेलन हुआ जिसे वियना सम्मेलन या वियना कांग्रेस कहते हैं।

कॉंग्रेस के सिद्धान्त —

1. न्यायपूर्ण या वैधता अधिकार सिद्धांत
2. पुरस्कार और दण्ड का सिद्धांत
3. शक्ति - संतुलन का सिद्धांत

वियना कांग्रेस के कार्य—

1. फ्रांस — नेपोलियन काल में फ्रांस ने जितने भी प्रदेश अपने राज्य में शामिल किए थे वे सब छीन लिए गए। फ्रांस की सीमाएँ वही निश्चित की गई जो राज्य क्रांति से पूर्व थी। फ्रांस की नई सीमा के चारों ओर शक्तिशाली एवं दृढ़ राज्य कायम किए गए ताकि फ्रांस फिर कभी यूरोप को परेशान ना कर सके। फ्रांस में बूर्बो राजवंश को पुनः स्थापित किया गया। नेपोलियन के बाद लूई XVIII (अठारहवाँ) फ्रांस का राजा बना।

2. हॉलैंड — लक्जमबर्ग और बेल्जियम को हॉलैंड में मिला लिया गया ताकि उत्तर - फ्रांस पर अंकुश रखा जा सके।

3. इटली— इटली के विविध राज्यों को फिर से स्थापित किया गया और नेपल्स की राजगद्दी बूर्बो वंश के फर्डिनेंड VII के अधीन हो गयी। पोप के प्रदेश पोप को लौटा दिए गए और पिडमौंट का राज्य फिर सर्डिनिया के राजा को दे दिया गया तथा सर्डिनिया को मजबूत राज्य बना दिया गया। टस्कनी और मोडेना में फिर से उनके पुराने राजवंशों की स्थापना की गई।

परमा का राज्य नेपोलियन की पत्नी मेरिया लुइसा को, जो आस्ट्रिया की राजकुमारी थी – दे दिया गया। इस प्रकार इटली को अनेक भागों में बाँट दिया गया।

(4) स्वीडेन और डेनमार्क – फिनलैंड का प्रदेश स्वीडेन से लेकर रूस को दे दिया गया। पोमेरेनिया का प्रदेश प्रशा के सुपुर्द किया गया और इसके बदले नार्वे का राज्य स्वीडेन को दे दिया गया। नार्वे पहले स्वीडेन के अधीन था किन्तु नेपोलियन की सहायता करने के दण्ड स्वरूप उससे नार्वे छीन लिया गया।

(5) जर्मनी – नेपोलियन ने जर्मनी के कई राज्यों को समाप्त कर दिया और कुछ अधिक महत्वपूर्ण राज्यों को राइन संघ में मिला लिया गया। अब यह लगभग असंभव था कि पहले के सैंकड़ों राज्यों को पुनः स्थापित किया जाए। सो – वियना कांग्रेस ने प्रशा के अतिरिक्त कुल मिला कर 38 राज्य कायम रखे। जिन्हें नवीन जर्मन राज्य संघ में संगठित किया गया। सभी जितों ने एक-दूसरे की सीमाओं के सम्मान तथा सम्पूर्ण जर्मनी की और पारस्परिक रक्षा का वचन दिया पर, परिसंघ को सुदृढ़ बनाने की व्यवस्था नहीं की गई, तथा राज्यों के आपसी संबंध शिथिल बने रहे।

(6) प्रशा – अब प्रशा को अनेक नए प्रदेश दिए गए राइन नदी का पश्चिम प्रदेश फ्रांस ने जीत लिया था अब प्रशा को दे दिया गया। सैक्सनी के राज्य ने नेपोलियन की सहायता की थी अतः दण्ड स्वरूप उसका 40% प्रदेश प्रशा के अधीन कर दिया गया। पोलैंड और पोमेरानिया का भी कुछ प्रदेश प्रशा को सौंपा गया। प्रशा को यह इनाम इस लिए दिया गया कि नेपोलियन को परेशान और पराजित करने में उसकी अहम् भूमिका थी।

(7) पोलैंड — पोलैंड को 3 भागों में विभक्त कर उसको रूस, प्रशा और आस्ट्रिया ने हड़प लिया। वियना कांग्रेस ने पोलैंड का मुख्य भाग रूस को दे दिया। वारसा को जो राज्य नेपोलियन के समय बन गया था, वह भी रूस को दे दिया गया। वारसा को जो राज्य नेपोलियन के समय बन गया था वह भी रूस को दे दिया। पोसेन, तोर्न तथा डान्जिग के प्रदेश प्रशा के हिस्से में आए। दक्षिण गैलिशिया आस्ट्रिया को मिला।

(8) आस्ट्रिया — आस्ट्रिया से बेलजियम का प्रदेश ले लिया गया और बदले में लोम्बार्डी, वेनेशिया और इलिरिया के प्रदेश उसे दे दिए गए रूस से पूर्वी गैलेशिया और बवेरिया से टिरोल का प्रदेश लेकर आस्ट्रिया को दिया गया। दूर स्थित और कम आय वाले प्रदेश के बदले में आस्ट्रिया को नजदीक के अधिक आय वाले प्रदेश मिल जाने से यूरोप में उसकी शक्ति बढ़ गई।

(9) रूस — रूस को वारसा का सम्पूर्ण प्रदेश प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त फिनलैंड और बेसासारेबिया पर भी उसका अधिकार रहने दिया गया रूस ने फिनलैंड के स्वीडन से और बेसासारेबिया को टर्की से पिछले युद्धों में जीता था।

(10) स्पेन तथा पुर्तगाल — स्पेन में बूर्बो वंश की पुनः स्थापना हुई। इंगलैंड ने स्पेन से ट्रिनीडड प्राप्त किया। यद्यपि पुर्तगाल ने अंगरेजों की बहुत सहायता की थी। फिर भी, उसे कुछ नहीं दिया गया।

(11) ग्रेट ब्रिटेन — ग्रेट ब्रिटेन को सबसे अधिक लाभ हुआ। माल्टा, सेंट लूसिया, टोबैगो और मॉरिशस - ये द्वीप फ्रांस से लेकर ब्रिटेन को दे दिया गया। ट्रिनिडड और हाइरास पहले स्पेन के

अधीन थे, लेकिन ये भी अब ब्रिटेन को प्राप्त हुए। इसी तरह सीलोन, केप कॉलनी तथा गायना का मुख्य प्रदेश हॉलैंड से ब्रिटेन के हाथ लगा। यूरोप में इंगलैंड को हैलीगोलैंड, माल्टा तथा अफ्रीका द्वीप समूह का संरक्षक बना दिया गया।

कांग्रेस के अन्य कार्य -

① **दास प्रथा की निंदा** - वियना कांग्रेस ने दास प्रथा को अनैतिक और अमानुषिक घोषित किया गया पर इस निंदनीय प्रथा का अंत करने की दिशा में कांग्रेस ने कोई सक्रिय कदम नहीं उठाया।

② **अन्तर्राष्ट्रिय विधि** - कांग्रेस ने अन्तर्राष्ट्रीय विधि के संबंध में भी अनेक निर्णय लिए अन्तर्राष्ट्रीय विधि में सभ्य राज्यों के पारस्परिक संबंधों पर लागू होने वाले नियमों और रीति-रिवाजों का संकलन किया गया इस प्रकार अन्तर्राष्ट्रीय नदियों में विभिन्न राज्यों के जहाजों के आवागमन, समुद्री सुविधा का उपयोग, राष्ट्रों के बीच पारस्परिक व्यवहार आदि का नियमन करने का प्रयत्न किया गया।

③ **यूरोपीय व्यवस्था की स्थापना** - अंत में कांग्रेस ने भविष्य यूरोपीय शांति को कायम रखने के लिए एक 'अन्तर्राष्ट्रीय संस्था' की स्थापना की, जिसे यूरोपीय व्यवस्था कहते हैं।